2

i|:"kkÙke Jh jke

संस्कृत साहित्य महान पुरूषों की कहानियों से भरा पड़ा है। साहित्य समाज का दर्पण होने के साथ–साथ समाज को नैतिकता की तरफ ले जाने में सहायक होता है। साहित्य के गर्भ में छुपी कहानियों के माध्यम से हमे सदगुणों की शिक्षा मिलती है। इस पाठ में आप पुरूषोत्तम श्रीराम के उत्तम गुणों के बारे में जानेंगे।

mís';

यह पाठ पढने के बाद आप सक्षम होंगे:

- श्लोकों का उच्चारण कर पाने में;
- श्लोकों का अर्थ समझ पाने में;
- अच्छे व्यक्तित्व के गुणों को जान पाने में; और
- पुरूषोत्तम श्रीराम के सदगुणों के विषय में जान पाने में।

2.1 iFkek'k

1. b{okdqo'kçHkoks jkeks uke tuS% Jqr% A

fu;rkRek egkoh;kZs |qfrekU /k`freku o'kh AA

'yksdkUo;% & fu;rkRek egkoh;Z% |qfreku~ /k`freku~ o'kh b{okdqo'kçHko% jke% uke tuS% Jqr% A

HkkokFkZ% शांतचित प्रकृति, महाविक्रमी, देदीप्यमान, स्वनिर्देशित और संयमित गुणों से युक्त इक्षवाकुवंश में जन्मे उन्हें लोग राम के नाम से जानते थे।

fVIi.kh

2. cf)eku uhfreku okXeh Jheku 'k=fucg.k% A

foi|ykIk egkckg% dEcqxhok egkgu% AA

'ykdkUo;% &foi|ykI% egkckg% dEcqxho% egkgu% Jheku cf)eku uhfreku okXeh 'k=fucg.k%A

HkkokFk% भगवान श्रीराम बुद्धिमान, नीतिज्ञ, वाक्पटु, शत्रु–विनाशक, सुन्दर, मजबुत भुजाओं वाले, सुन्दर ग्रीवायुक्त तथा उन्नत गाल युक्त थे।

3. /keK% lR;lU/k'p çtkuk p fgr jr% A

;'kLoh KkulEiUu% 'kfpo";% lekf/keku A

'ykdkUo;%& /keK% lR;lU/k% KkulEiUu% ;'kLoh lekf/keku 'kfp% o";% çtkuk fgr jr% pA

HkkokFk% भगवान राम धर्म के पालनकर्त्ता (धर्मपरायण), सत्यव्रती, ज्ञानसम्पन्न, यशस्वी, बुद्धिमान, सरल हृदय तथा सदा प्रजा के हित की सोचने वाले थे।

d{kk & VI

fVIi.kh

4. jf{krk LoL; /keL; LotuL; p jf{krk A

ononk³xrÙoKk /kuqon p fuf"Br% AA

'yksdkUo;% & LoL; /keL; jf{krk LotuL; jf{krk ononk³xrÙoK% /kuqon fuf"Br% pA

HkkokFk% श्रीराम अपने धर्म तथा लोगों की रक्षा वाने वाले अर्थात राजधर्म के लिए प्रजा की रक्षा करने वाले, वेद–वेदाङ्ग के ज्ञाता, महान धनुर्धारी थे।

5. lo'kkL=kFkZrÙoK% Lefreku çfrHkkuoku A

loZyksdfç;% lk/kqjnhukRek fop{k.k% A A

'yksdkFkZ;% & lo'kkL=kFkZrÙoK% Lefreku çfrHkkuoku loZyksdfç;% lk/k% vnhukRek fop{k.k% pA

HkkokFkZ% वे सभी शास्त्रों के ज्ञाता तथा तत्त्वज्ञः, स्मृतिवान, विलक्षण प्रतिभायुक्त, सर्वजनप्रिय, सत्पुरूष, स्थिर आत्मचित युक्त और पूर्वभाषी प्रतिभा युक्त थे।

6. jkek foxgoku /ke% lk/k% lR;ijkØe% A

jktk loL; ykdL; nokukfeo okl o% AA

'yksdkFkZ;% &jke% foxgoku /ke% lR;ijkØe% lk/k% nokuk e?koku bo loL; ykdL; jktk A

HkkokFkZ% श्रीराम न्याय परायणता के मूलरूप, सत्य और पराक्रम युक्त, सज्जन, जिस तरह इन्द्र देवताओं के राजा थे, उसी तरह सर्वलोक के पालनहार राजा थे।

d{kk & VI

fVIi.kh

'kCnkFk%

- महावीर्यः – अधिकसामर्थ्यवान्
- द्युतिमान् – कान्तियुक्त
- धृतिमान् – अचलमान
- शत्रुनिबर्हणः – अरिमर्दन
- विपुलांसः – विशालभुज
- कम्बुग्रीवः – शङ्खरेखाङ्किकतकण्ठ
- सत्यसन्धः – सत्यनिष्ठ
- विचक्षणः – कुशल
- आर्यः – सर्वपूज्य
- मधवान् इवः – इन्द्र की तरह

ikBxr iz'u& 2-1

I. नीचे दिये गये प्रश्नों का एक शब्द में उत्तर दीजिए–

i. रामः कस्मिन् वंशे जातः?

ii. शत्रुनिबर्हणः कः?

iii. रामः कस्य रक्षिता भवति?

vkiu D;k lh[kk\

- संस्कृत श्लोवान्वय तथा श्लोकार्थ।
- भगवान राम के व्यक्तित्व के सद्गुण।

ikBkr iz'u

1. नीचे दिये प्रश्न का पाँच वाक्यों में उत्तर लिखिए ।

    1. श्रीरामस्य गुणान् लिखत ।

2. नीचे दी गई मंजूषा से पदों का चयन करते हुए रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

    (प्रजानाम्, इक्ष्वाकु, वेदवेदाङ्गतत्त्वज्ञः)

    1. ________ वंशप्रभवो रामः भवति ।
    2. सत्यसन्धः रामः ________ हिते रतः भवति ।
    3. ________ धनुर्वेदे च निष्ठितः अस्ति ।

3. नीचे दिये गये अनुप्रयुक्तव्याकरण के प्रश्न को हल कीजिए

    1. सन्धिविभागं संयोगं वा कुरुत

i)	नियतात्मा	iv)	सत्यसन्धः. च
ii)	शुचिर्वष्यः	v)	यदि. अपि
iii)	गुरुः इति		

4. नीचे दिये गये पदों कि लिङ्ग–विभक्ति–वचन लिखिए –

अ) शुचिः | ई) सर्वस्य
आ) देवानाम् | ई) सर्वस्य
उ) विग्रहवान् | उ) राजा
ऊ) धनुर्वेदे

5. अधोदत्तानां क्रियापदानां लकार–पुरुष–वचनानि लिखत

अ) रक्षति
इ) अगच्छत्
आ) पठति
ई) पठिष्यामः

6. नीचे दिये गये चित्रों को देखकर प्रत्येक के विषय में पाँच–पाँच संस्कृत वाकयों का निर्माण कीजिये

(a)

(b)

7. सृजनात्मकं कार्यम् –

   a) वाल्मीकेः रामायणाधारेण श्रीरामस्य गुणान् संगृह्य लिखत।

   b) महापुरुष लक्षणानि संगृह्य लिखत।

mÙkjekyk

2.1

1. इक्ष्वाकुवंशे
2. रामः
3. स्वजनस्य